Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—1109

PAPER—III

DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : 32 Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Broadly, the question of how much is to be allocated for defence is determined by three essential factors. In the first place, it depends on Indian perception of external threats, both the sources and types of threats as well as the intensity of military danger at various times. Threats could stem from Pakistan and China and may call for measures to combat the enemy at the conventional level or to fight enemy-aided insurgencies in Kashmir and in the volatile tribal areas of north-east India. The perceived danger could be acute and immediate as during the Kashmir crisis by Aug-Sept 1965 and during the Bangladesh revolt from March to December 1971

Perceptions could also vary among different persons, groups, and political parties in India, and are coloured by the personal idiosymcracies and ideological outlook of the observer. Left-wingers and right-wingers, moderates and extremists, Hindus and Muslims, communist party supporters and the militant Jan Sangh, may all have varying perceptions of the source, nature and intensity of external danger to the country. Such perceptions are also fundamentally shaped by the various military postures of hostile countries, collusion among enemies, alliances and attitudes of the great powers.

मोटे तौर पर, यह प्रश्न कि रक्षा के लिये कितना आवंटन किया जाना चाहिये तीन अनिवार्य कारकों द्वारा निर्धारित होता है। सर्वप्रथम, यह भारत की बाह्य खतरों की आशंकाओं के स्त्रोतों और प्रकारों तथा विभिन्न समयों पर सैनिक खतरों की तीव्रता पर निर्भर करता है। आशंकायें पाकिस्तान और चीन से उत्पन्न हो सकती हैं और पारम्परिक स्तर पर दुश्मन का मुकाबला करने के उपायों की मांग कर सकती हैं, या काश्मीर और उत्तर-पूर्वी भारत में अस्थिर जनजाति क्षेत्रों में शत्रु से सहायता-प्राप्त विद्रोह का प्रतिरोध करने की मांग कर सकती हैं।

महसूस किया गया खतरा प्रचण्ड और तत्काल हो सकता है जैसा कि अगस्त-सितम्बर 1965 के काश्मीर संकट के दौरान, और मार्च से दिसम्बर 1971 तक बंगलादेश में बगावत के दौरान था।

भारत में प्रत्यक्ष ज्ञान या अवबोध, विभिन्न व्यक्तियों, वर्गों और राजनैतिक दलों के बीच भिन्न-भिन्न हो सकता है, और प्रेक्षक या देखने वाले की अपनी स्वभावगत विशिष्टता और दार्शनिक दृष्टिकोण से प्रभावित हो सकता है। वामपंथी और दक्षिणपंथी, संयतवादी और उग्रवादी हिन्दू और मुसलमान, साम्यवादी दल और युद्धकारी जनसंघ, सभी का देश के प्रति बाह्य खतरों के स्रोत, उनकी प्रकृति और उनकी तीव्रता के बारे में भिन्न-भिन्न अवबोध हो सकता है। यह अवबोध, मूलभूत रुप से, विरोधी देशों की विभिन्न सैन्य संस्थितियों, शत्रुओं के बीच कपट समझौते, गठजोड़ और बड़ी शक्तियों के रवैइये द्वारा निश्चित रूप धारण करते हैं।

1. What are different factors which determine the allocation of funds for defence ?

रक्षा के लिये निधि के आवंटन को कौन से भिन्न कारक निर्धारित करते हैं ?

2. Name different causes of insurgency in Kashmir.

काश्मीर में विद्रोह के भिन्न कारण बताइये।

3. Explain how threat perceptions are coloured.

किस प्रकार आशंका भिन्न रूप धारण करती है समझाइये।

4. Name various sources from where threat to Indian security emerges.

भारतीय सुरक्षा के लिये खतरा किन विभिन्न स्त्रोतों से उभरता है?

5. Name different groups who contribute in the formation of national threat perception.

राष्ट्रीय आशंका अवबोध के निर्माण में योगदान देने वाले भिन्न समूहों के नाम बताइये।

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. Define Nation-State.

राष्ट्र-राज्य की परिभाषा दीजिये।

7. Elucidate the higher defence structure of India.

भारत के उच्चत्तर रक्षा ढांचे पर प्रकाश डालिये।

8. What do you understand by Deterrence ?

प्ररोधन से आप क्या समझते हैं ?

9. What is Industrial Military Complex ?

औद्योगिक मिलिट्री काम्पलेक्स क्या है ?

10. What is e–governance ?

ई–शासन क्या है ?

11. Define Money Loundering.

'मनी लॉन्डरिंग की व्याख्या कीजिये।

12. What is supply chain ?

आपूर्ति शृंखला (कड़ी) क्या है ?

13. What is meant by peace building ?

शान्ति निर्मित करने का क्या अर्थ है ?

14. Examine the role of 'third party' in dispute resolution.

विवाद समाधान में 'तृतीय पार्टी' की भूमिका का परीक्षण कीजिये।

15. Explain the concept of collective security.

सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

16. State the determinants of defence expenditure.

रक्षा व्यय के निर्धारक बताइये।

17. What are the main five objectives of SAPTA ?

साप्टा (एस.ए.पी.टी.ए) के मुख्य पाँच उद्देश्य क्या हैं ?

18. Explain the concept of Detente.

तनाव शैथिल्य (डेटान्ट) की अवधारणा को समझा कर स्पष्ट कीजिये।

19. What are the consequences of arms race ?

अस्त्र शस्त्रों की दौड़ के परिणाम क्या हैं ?

20. Explain the concept of new world order.

नई विश्व व्यवस्था की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. All questions are compulsory. Each answer is to be given in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में पाँच (5) प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक के बारह (12) अंक है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में देना है।

(12x5=60 अंक)

21. Examine the contribution to strategic thought by Kautilya.

सामरिक विचारधारा के प्रति कौटिल्य द्वारा योगदान का परीक्षण कीजिये।

22. Examine the Sino–Indian border dispute and highlight the various confidence building measures undertaken.

चीन–भारतीय सीमा विवाद की परक्षिा कीजिये और विश्वास निर्मित करने के लिये किये गये विभिन्न उपायों की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिये।

23. Explain the man–made causes of forced migration.

बलात् प्रवसन (देशान्तरण) के मनुष्य–निर्मित कारणों को स्पष्ट कीजिये।

24. Illustrate the threats to International security from crises of water and energy resources.

जल और उर्जा संसाधनों के संकट से अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की आशंकाओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

25. Discuss the implications of advancement of Science and Technology on National Security.

राष्ट्रीय सुरक्षा पर विज्ञान और प्रौद्यगिकी की उन्नति के निहितार्थों की विवेचना कीजिये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the security organization of India and give suggestions for effective management of Defence forces.

भारत के सुरक्षा संगठन की विवेचना कीजिये और रक्षा सेनाओं के प्रभावपूर्ण प्रबंधन के लिये सुझाव दीजिये।

OR / अथवा

Assess China's position in the post-cold war era. How is it likely to impact India's security ?

शीत युद्ध के उतरोत्तर काल में चीन की स्थिति का मूल्यांकन कीजिये। यह भारत की सुरक्षा को किस प्रकार सम्भाव्यत: प्रभावित कर सकती है?

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....